CONSAM™

(हमारे उद्देश्य एवं मूल्य)

हमारे उद्देश्य: -

1) हम जिस भी व्यापार को करें, अपने काम करने के तरीके को कल की तुलना में सुधार ला कर कल से एवं दूसरों से बेहतर करें ताकी हम अपने व्यापार में एक चैम्पियन बन कर उभरें तथा अपने चैम्पियनशीप को हमेशा बरक़रार रखें!

2) हम जिस भी व्यापार को करें, इस तरह करें की हमसे सबको दूरदर्शी लाभ मिले, जिसमें हमारा पर्यावरण, हमारा देश, देश में बसने वाले विभिन्न समुदाय के लोग, हमारी प्रतिष्ठान एवं कर्मचारी, हमारे ग्राहक, हमारे शेयर - धारक इत्यादी सभी आते हैं ताकी हम अनगिनत दिनों तक संचालित होते रहें!

3) CONSAM चिन्ह/नाम हमारे लिए एक बेहद बड़ी एवं महत्वपूर्ण सम्पत्ति है जो विशवास, व्यापार – विशिष्टता/श्रेष्ठता एवं आकार का वर्णन करता है! हम अपने चिन्ह/नाम की इन विशेषताओं को बरक़रार रखने के लिए हमेशा तत्पर रहते हुए उत्कृष्ट वस्तुएं एवं सेवाएं बनाएंगे!

हमारे मूल्य: -

CONSAM **मूल्यों पर चलने वाला संस्थान है एवं इसके मूल्यों से निर्देशित होते हुए** CONSAM **अपने उदेश्यों को पूर्ण करता है जो इस प्रकार हैं:**

1) **<u>अनुशासन</u>:** ऐसे ही घर/परिवार प्रगती करते हैं जो अनुशासित होते हैं! इसी तरह संस्थान वही आगे बढ़ता है जो अनुशासित होता है! अनुशासन सभी चीजों में सुनिश्चित करना है और हम इसलिए कड़े अनुशासन में रहेंगे, वह खुद पर हो, काम के प्रति हो या किसी भी अन्य चीजों/पहलुओं में हो!

2) **<u>ताल - मेल एवं आपसी समझ</u>:** उदाहरण के लिए क्रीकेट की दो टीमों को लें - एक टीम में सभी चैम्पियन हैं लेकिन ताल - मेल व आपसी समझ की कमी है एवं दुसरे में सभी मध्यम कोटी के खिलाड़ी हैं पर काफ़ी अच्छा ताल - मेल व आपसी समझ है! दूसरी टीम जरुर जीतती है क्यूंकि एक समूह की सफलता पुरे समूह के कर्मियों के अच्छे ताल - मेल व आपसी समझ पर निर्भर करता है न की किसी एक के बेहतर होने पर निर्भर करता है! अतः हम सब कॉनसम – कर्मी बेहतरीन ताल – मेल एवं आपसी समझ के साथ अपने उदेश्यों को पूर्ण करेंगे ताकी जीत हमेशा हमारी हो!

3) **<u>सम्मान, हमदर्दी एवं इंसानियत</u>**: कॉनसम में काम करने के पहले हमें यह अवश्य सुनिश्चित करना है की हम एक अच्छे इंसान हैं! इंसान गलतियाँ करता है, वह तर्क करना जानता है, वह क्षमा करता है, वह मदद करता है और इस तरह अद्भुत कार्यों को पूर्ण कर सकता है! हम सभी को काफ़ी मददगार, सम्मान एवं हमदर्दी देने वाला एक बेहतर इंसान होने का प्रमाण देते हुए सहकर्मियों, ग्राहको एवं सभी अन्य लोगों के सामने यह साबित करते रहना है और इस तरह एक चैम्पियन व्यक्तित्व को प्रदर्शित करना है और इस तरह हम गर्व से खुद को कॉनसम का एक मान्यता प्राप्त कर्मी कह सकते हैं ताकी यह सुनिश्चित किया जा सके कि दुसरे सभी कॉनसम-प्रतिष्ठानों, कर्मियों को सम्मान एवं हमदर्दी दें!

4) **<u>अभ्यास, विशिष्टता एवं सिद्धि/निपुणता</u>:** दुनियाँ में कोई भी व्यक्ति, समूह या वस्तु या कोई अन्य चीज पूर्ण/निपुण नहीं है परन्तु श्रेष्ट बनने के लिए अगर रोज अभ्यास किया जाए तब श्रेष्टता तो आएगी ही एवं और अधिक अभ्यास से पूर्णता/निपुणता भी आ जाएगी क्यूंकि दुनियाँ में ऐसी कोई चीज नहीं है जो अभ्यास से हासिल नहीं की जा सकती! हम अपने उदेश्यों को कड़े अभ्यास से बलबूते श्रेष्ट तरीके से पूर्ण करते रहेंगे!

5) **<u>ईमानदारी, सिद्धांतवादिता, पारदर्शिता एवं एकजुटता</u>:** हमें अपने व्यापार एवं इससे जुडी सभी चीजों को, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं अपने सिद्धांतों व एकजुटता के साथ करते रहना है ताकि हम किसी भी समय सार्वजनिक जाँच/परिक्षण के लिए तैयार रहें और इस तरह अपने सारे प्रयास सिर्फ आगे बढ़ने में लगाएं!

6) **<u>जिम्मेदारी</u>:** हम सबको यह सुनिश्चित करते रहना है कि हम सभी जिस भी देश, प्रदेश, लोगों के समूह/समुदाय, वातावरण में काम कर रहे हैं - पूर्ण रूप से जिम्मेदार हो कर काम करें क्यूंकि हम यह नहीं भूलेंगे की लोग हमारे प्रति जिम्मेदार तभी बने रहेंगे जब हम उनके प्रति जिम्मेदार होंगे!